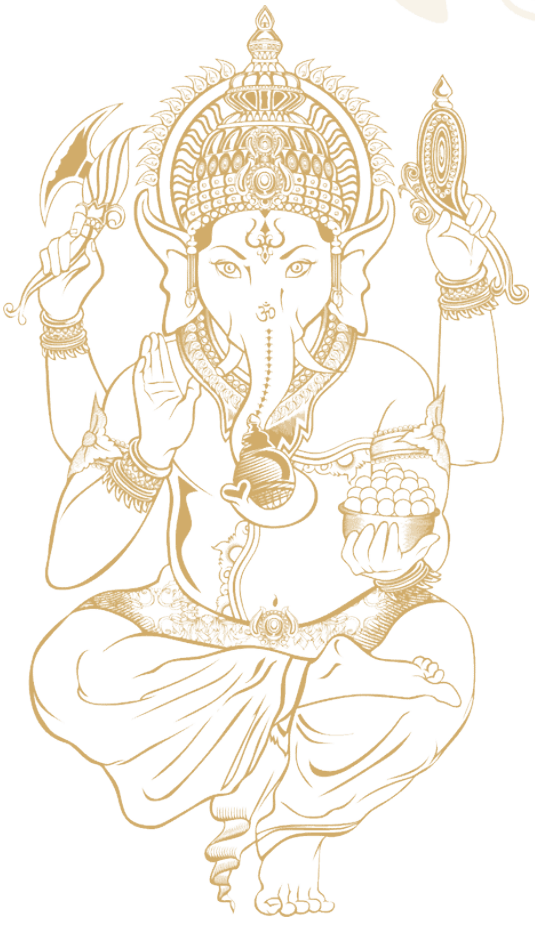

Prem Prem

22 Aug 2025

01:37 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121424005

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**21-22/08/2025**
दिन	गुरु-शुक्रवार
जन्म समय	**01:37:00 घंटे**
इष्ट	49:18:35 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	01:15:52 घंटे
वेलान्तर	-00:03:09 घंटे
साम्पातिक काल	23:17:27 घंटे
सूर्योदय	05:53:33 घंटे
सूर्यास्त	18:54:20 घंटे
दिनमान	13:00:47 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	04:48:07 सिंह
लग्न के अंश	08:34:41 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**कर्क - चन्द्र**
नक्षत्र-चरण	**आश्लेषा - 1**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	वरियान
करण	शकुनि
गण	राक्षस
योनि	मार्जार
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	डी-डीगेश्वर
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	08:34:41	326:53:06	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	राहु	---
सूर्य			सिंह	04:48:07	00:57:49	मघा	2	10	सूर्य	केतु	मंगल	मूलत्रिकोण
चंद्र			कर्क	17:29:21	13:22:23	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	बुध	स्वराशि
मंगल			कन्या	15:09:11	00:38:19	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	गुरु	शत्रु राशि
बुध			कर्क	16:31:33	01:12:30	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	गुरु	शत्रु राशि
गुरु			मिथु	21:45:30	00:11:37	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			कर्क	01:12:08	01:11:18	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	मंगल	शत्रु राशि
शनि	व		मीन	06:27:53	00:03:34	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	सम राशि
राहु	व		कुंभ	24:08:52	00:02:20	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	24:08:52	00:02:20	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	07:08:52	00:00:47	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	केतु	---
नेप	व		मीन	07:23:09	00:01:20	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	केतु	---
प्लूटो	व		मक	07:45:12	00:01:13	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	केतु	---
दशम भाव			कुंभ	24:12:56	--	पू०भाद्रपद	--	25	शनि	गुरु	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:12:59

लग्न-चलित

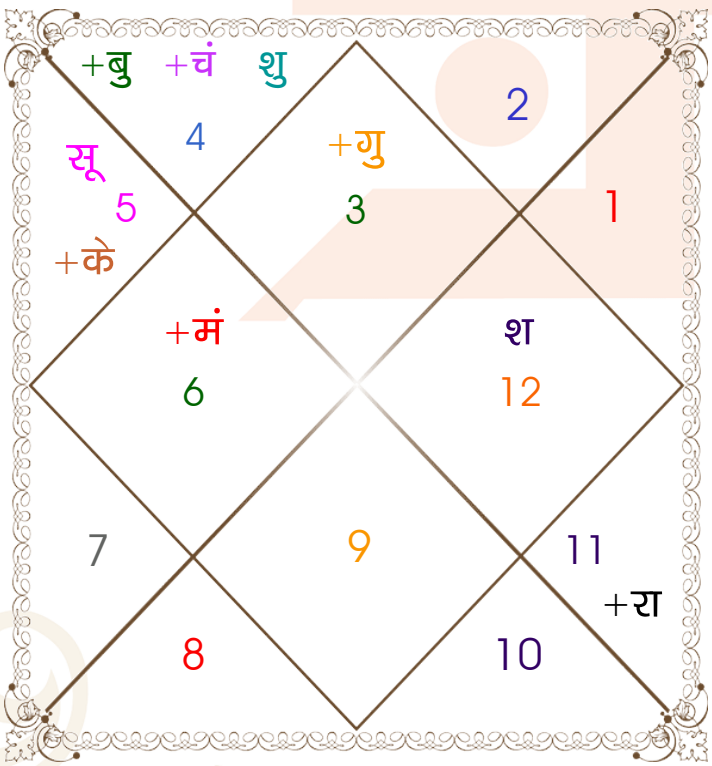

चन्द्र कुंडली

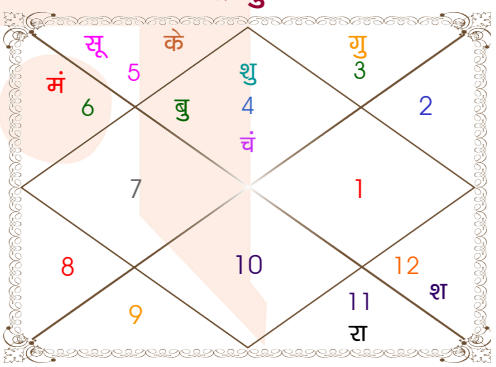

नवमांश कुंडली

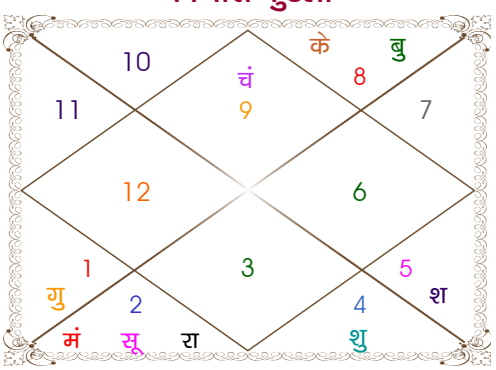

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 15 वर्ष 11 मास 12 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
22/08/2025		04/08/2041		04/08/2048		04/08/2068		04/08/2074	
04/08/2041		04/08/2048		04/08/2068		04/08/2074		04/08/2084	
बुध	31/12/2026	केतु	31/12/2041	शुक्र	04/12/2051	सूर्य	21/11/2068	चंद्र	04/06/2075
केतु	28/12/2027	शुक्र	02/03/2043	सूर्य	03/12/2052	चंद्र	23/05/2069	मंगल	03/01/2076
शुक्र	28/10/2030	सूर्य	08/07/2043	चंद्र	04/08/2054	मंगल	28/09/2069	राहु	04/07/2077
सूर्य	04/09/2031	चंद्र	06/02/2044	मंगल	04/10/2055	राहु	22/08/2070	गुरु	03/11/2078
चंद्र	02/02/2033	मंगल	04/07/2044	राहु	04/10/2058	गुरु	10/06/2071	शनि	04/06/2080
मंगल	30/01/2034	राहु	23/07/2045	गुरु	04/06/2061	शनि	22/05/2072	बुध	03/11/2081
राहु	19/08/2036	गुरु	28/06/2046	शनि	04/08/2064	बुध	29/03/2073	केतु	04/06/2082
गुरु	25/11/2038	शनि	07/08/2047	बुध	04/06/2067	केतु	04/08/2073	शुक्र	03/02/2084
शनि	04/08/2041	बुध	04/08/2048	केतु	04/08/2068	शुक्र	04/08/2074	सूर्य	04/08/2084

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
04/08/2084		04/08/2091		05/08/2109		05/08/2125		05/08/2144	
04/08/2091		05/08/2109		05/08/2125		05/08/2144		00/00/0000	
मंगल	31/12/2084	राहु	16/04/2094	गुरु	23/09/2111	शनि	08/08/2128	बुध	23/08/2145
राहु	18/01/2086	गुरु	09/09/2096	शनि	05/04/2114	बुध	18/04/2131		00/00/0000
गुरु	25/12/2086	शनि	17/07/2099	बुध	11/07/2116	केतु	26/05/2132		00/00/0000
शनि	03/02/2088	बुध	03/02/2102	केतु	17/06/2117	शुक्र	27/07/2135		00/00/0000
बुध	30/01/2089	केतु	22/02/2103	शुक्र	16/02/2120	सूर्य	08/07/2136		00/00/0000
केतु	28/06/2089	शुक्र	22/02/2106	सूर्य	04/12/2120	चंद्र	06/02/2138		00/00/0000
शुक्र	28/08/2090	सूर्य	16/01/2107	चंद्र	05/04/2122	मंगल	18/03/2139		00/00/0000
सूर्य	03/01/2091	चंद्र	17/07/2108	मंगल	12/03/2123	राहु	22/01/2142		00/00/0000
चंद्र	04/08/2091	मंगल	05/08/2109	राहु	05/08/2125	गुरु	05/08/2144		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 15 वर्ष 11 मा 16 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के प्रथम चरण में हुआ है। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन लग्न के साथ-साथ धनु का नवमांश एवं मिथुन राशि का ही द्रेष्काण भी उदित हो रहा था। मिथुन लग्न की आकृति के फलस्वरूप यह प्रभाव स्पष्ट है कि आपका जीवन पूर्ण रूपेण उत्थान-पतन से युक्त तथा बार-बार उत्थान पतन का कारक भी है। यदि आप सतर्क नही रहे तो सदैव ही उच्चता एवं नीचता का वातावरण बनता रहेगा तथा आपको अपनी प्रतिष्ठा की रक्षा करने के लिए तथा विपत्ति अर्थात् दीनता से संघर्ष करने की सभी संभावनाएं क्षीण हो जाएगी। आपको अपने प्रारंभिक जीवन की शुरूआत के साथ ही सतर्कता पूर्वक संबंधित व्यवधानों की रोकथाम की प्रक्रिया भी प्रारंभ करना होगा। लग्न नवमांश के प्रभाव से आपके जीवन में उत्तमता हेतु आशा किरण का उदय आपकी आयु के पचीसवें वर्ष में दृष्टिगत होता है। आप अपनी हठधर्मिता को त्याग कर धैर्य पूर्वक समय की प्रतीक्षा करें। वास्तव में व्यक्तिगत रूप से आपकी कुशाग्रता और आपको अपने आत्मज्ञान के माध्यम से जीवन की दूरी तय करनी चाहिए। यदि आप अपने किसी भी एक चयनित रास्ते पर साहस और एकाग्रता पूर्वक चलते रहे तों सर्वोच्च पद पर पहुंचेगे। आपके लिए पत्रकारिता, लेखन कला, साथ ही कलात्मक कार्य व्यवसाय से आप लाभ प्राप्त करेंगे।

परंतु आपकी ऐसी आदत है कि आप अनिश्चित बाधाओं के प्रति बहुधा सशंकित रहते हैं तथा प्रायः अनिश्चित स्थिति में अर्थात् दुविधापूर्ण वातावरण से आप घिर जाते हैं। आप एक लुढकते हुए पत्थर के समान अपना आचरण रख कर, निश्चित लाभांश प्राप्त करने में असफल रह जाते हैं। आपकी अनुदारता के कारण आपकी चाह रहती है कि संक्षिप्त प्रकार से निर्दिष्ट विषय पर पॉलिस करके मानक विधान को स्वीकार कर, विजय श्री प्राप्त करें।

आप भाग्य की कृपा से किसी एक कार्य को संपादित कर अन्य कार्य का उत्तरदायित्व ग्रहण कर सकते हैं। परंतु आप में एकाग्रता का अभाव विद्यमान है। दिक्कत यह है कि आप इस अभाव को केंद्रीकरण करने के पश्चात् ही किसी भी उत्तरदायीत्व को ग्रहण कर बिना कार्य पूर्ण किए ही अन्य कार्यों को संपादन करने का अवसर अपने हाथ में ले लेते हैं।

अति महत्वाकांक्षा के प्रभाव से आप ऐसा कार्य संचालित कर लेते हैं। क्योंकि आप चमत्कारिक ढंग से धन प्राप्त कर धनी बन जाना चाहते हैं। आपको अपनी आय बढ़ाने की पवृत्ति ऐसी है कि आप यदा-कदा एक ही साथ दो स्थानों पर एक ही समय कोई कार्य प्रारंभ कर, लाभ उपार्जित करने का प्रयास करते हैं। परंतु यह आकस्मिक स्थिति मात्र कुछ समय तक ही प्रभावित रहती है।

आपकी दूसरी समस्या यह है कि आप जन सामान्य के साथ तथा इनके द्वारा लोकप्रियता प्राप्त करते हैं। इस प्रकार आप अपने स्वास्थ्य पर ध्यान नहीं दे पाते। आपको एकाग्रतापूर्वक अपने मित्र मंडली में बदलाव लाना होगा। ये लोग आपको सामान्य तरंगित भावनाओं को समझ पाना दुष्कर समझते हैं। अर्थात आप कैसे व्यक्ति हो उनके लिए समझ पाना उतना आसान नही हैं। आप में यह रहस्यमयी शक्ति विद्यमान है कि आप अन्य

किसी की भावनाओं को पूर्ण रूपेण समझ लेते हैं, तथा उसके बाद अपने ढंग से उसको प्रदर्शित करते हैं। आपका स्वभाव निःसंदेह ऐसा है कि आप आश्चर्यजनक प्रभाव से दूसरों को प्रभावित करते हैं। परंतु आप वातावरण को अनुकूल बनाने में अक्षम रहते हैं।

आपको जब कोई भी जीवन की उन्नति के अन्य मार्ग दृष्टिगत नही होते तब आप अपनी क्षमता के अनुरूप अपने धन को लाभजनक कार्य में लगा देते हैं। निम्नांकित बिन्दुओं पर विधानतः तदनुसार आचरण करना चाहिए जो कि आपकी लापरवाही के विरुद्ध जीवन के महत्वपूर्ण सांकेतिक शब्द हैं।

आपके जीवन के लिए महत्वपूर्ण रंग पीला, हरा, ब्लू एवं मोतिया एवं गुलाबी रंग हैं। परंतु हर दशा में रंग काला एवं लाल सर्वथा त्याज्य है।

इसके अतिरिक्त अंक 4 एवं 8 अंक का व्यवहार सर्वथा प्रतिकूल है। जबकि अंक 7 एवं 3 अंक आपके लिए वास्तव में अनुकूल हैं।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।